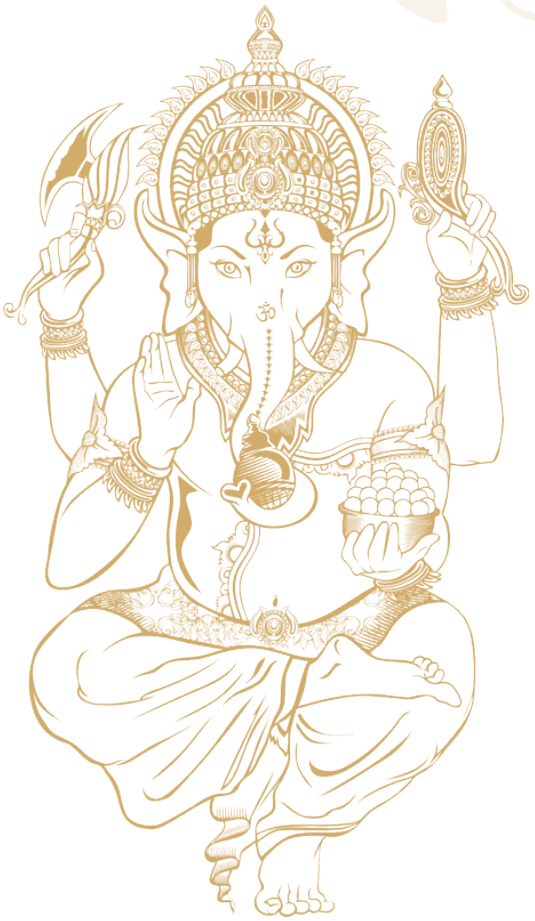

Aakash

Mr.Megha JHS

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121935430

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/08/1991	जन्म तिथि	22/11/1997
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 09:25:00	जन्म समय	12:05:00 घंटे
घटी 08:55:15	जन्म समय(घटी)	13:29:23 घटी
India	देश	India
Gwalior	स्थान	Jhansi
26:12:00 उत्तर	अक्षांश	25:27:00 उत्तर
78:09:00 पूर्व	रेखांश	78:34:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:17:24	स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:53	सूर्योदय	06:38:14
18:51:21	सूर्यास्त	17:25:29
23:44:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:34

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 7वर्ष 1मा 17दि	17:51:02	कन्या	लग्न	मक	24:55:04	केतु 2वर्ष 2मा 7दि
शुक्र	00:59:22	सिंह	सूर्य	वृश्चि	06:09:54	चन्द्र
05/10/2022	11:39:42	वृश्चि	चंद्र	सिंह	09:10:11	29/01/2026
05/10/2042	27:14:40	सिंह	मंगल	धनु	16:03:29	29/01/2036
शुक्र 03/02/2026	07:42:53	सिंह व	बुध	वृश्चि	26:38:37	चन्द्र 29/11/2026
सूर्य 04/02/2027	00:49:07	सिंह	गुरु	मक	21:27:36	मंगल 30/06/2027
चन्द्र 04/10/2028	08:20:17	सिंह व	शुक्र	धनु	22:06:35	राहु 29/12/2028
मंगल 04/12/2029	08:10:57	मक व	शनि व	मीन	20:13:45	गुरु 30/04/2030
राहु 04/12/2032	24:39:25	धनु	राहु	सिंह	22:56:06	शनि 30/11/2031
गुरु 05/08/2035	24:39:25	मिथु	केतु	कुंभ	22:56:06	बुध 30/04/2033
शनि 05/10/2038	16:30:29	धनु व	हर्ष	मक	11:32:32	केतु 29/11/2033
बुध 05/08/2041	20:38:09	धनु व	नेप	मक	03:53:21	शुक्र 31/07/2035
केतु 05/10/2042	23:56:04	तुला	प्लूटो	वृश्चि	11:25:52	सूर्य 29/01/2036

लग्न-चलित

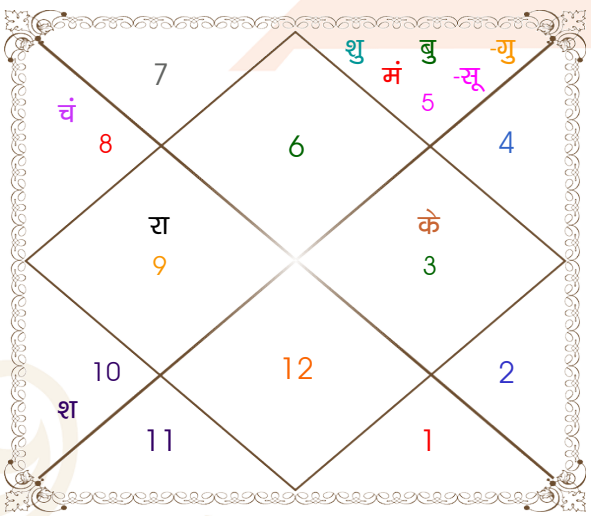

लग्न-चलित

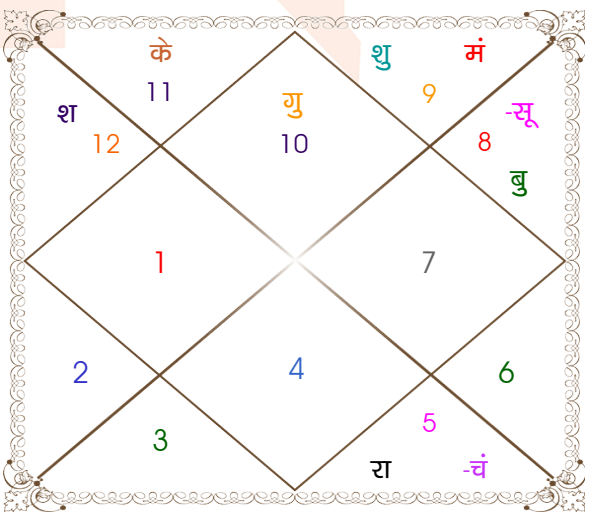

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

Aakash का वर्ग सर्प है तथा Mr.Megha JHS का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Aakash और Mr.Megha JHS का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Aakash मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Aakash कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Mr.Megha JHS मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.Megha JHS कि कुण्डली में द्वादश भाव में धनु राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Megha JHS कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Aakash तथा Mr.Megha JHS में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।